

## Learning Outcomes

### B.A - Hindi Hons

#### Knowledge and understanding

##### ज्ञानात्मक विशेषता

1. साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों में समाज को समायोजित करने की क्षमता विकसित करना।
2. भाषा का शुद्ध उच्चारण एवं व्यवहार करना।
3. साहित्य एवं भाषा के संरक्षण, संवर्द्धन एवं परिमार्जन में अपना अमूल्य योगदान देना।
4. साहित्य समाज का प्रतिबिम्ब होता है, अतः विद्यार्थी कालक्रमिक समाज की राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से परिचित हो सकेगा।
5. राजनीतिक गतिविधियों में साहित्यकारों की रचनाओं से प्रेरित होना।
6. हिन्दी साहित्य के अंतर्गत विभिन्न विधाओं के अन्तर एवं विषयवस्तु को समझना।
7. हिन्दी साहित्य के अन्तर्गत साहित्यिक रचनाओं के प्रभाव एवं महत्व को जानना।
8. काव्य विधाओं के अन्तर्गत कविता वाचन एवं काव्य पाठ करना।
9. नाट्य विधाओं के अन्तर्गत अभिनेय क्रियाकलापों से परिचित होना।
10. भाषा के व्याकरणिक कोटियों जैसे संज्ञा, सर्वनाम, सन्धि समास, लोकोक्ति, मुहावरा, पल्लवन, संक्षेपण इत्यादी से परिचित होना।
11. पत्रकारिता एवं जनसंचार के माध्यम से समसामयिक घटनाओं से अवगत होना।
12. गद्य, पद्य एवं अन्य प्रकार के लेख, आलेख, स्वयं लिखना एवं स्वयं समझना।
13. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के बारे में आवश्यक जानकारी प्राप्त करना।
14. भाषा एवं साहित्य को पीढ़ी –दर–पीढ़ी हस्तांतरित करना।
15. भाषा एवं साहित्य के ज्ञान से कवि, लेखक, फिल्म निर्देशक या अन्य व्यवसायी बनना।

## **Cognitive Skill – संज्ञानात्मक स्तरीय ज्ञान**

1. भाषा के माध्यम से विचार संप्रेषण की कला सीख सकेंगे।
2. भाषा के शब्द एवं अर्थ से भली-भाँति परिचित हो सकेंगे।
3. भाषा के वाक्य-संरचना, वाक्य-परिवर्तन, ध्वनि-परिवर्तन इत्यादि स्तर से अवगत हो सकेंगे।
4. एक ही भाषा एवं साहित्य के विभिन्न साहित्यकारों एवं भाषाशास्त्रियों का तुलनात्मक अवलोकन कर सकेंगे।
5. भाषा एवं साहित्य में जन-प्रचलित प्रसिद्ध मुहावरों, कहावतों, सूक्तियों इत्यादि के उद्भव विकास एवं सम-सामयिक प्रभाव को जान सकेंगे।
6. भाषा एवं साहित्य के अन्तर्गत विभिन्न काव्यरूपों जैसे प्रबन्ध, मुक्तक एवं भाषा-विज्ञान की विभिन्न शाखाओं जैसे- रूपविज्ञान, ध्वनि विज्ञान, स्वनिम इत्यादि का अन्तर स्पष्ट कर सकेंगे।
7. भाषाशास्त्री बनकर अच्छा प्रवक्ता, उच्चस्तरीय भाषण कर्ता, रेडियो वार्ताकार, ग्रेष्ठ मंच संचालक आदि बन सकेंगे।
8. प्रवीण भाषाविद्व ही एक भाषा में प्रयुक्त होने वाले समानार्थक एवं विभिन्नार्थक शब्दों से अवगत हो सकेंगे।
9. भाषा एवं साहित्य के उद्भव, विकास एवं वर्तमान दशा एवं दिशा को समझ सकेंगे।
10. छोटे-छोटे किस्से-कहानियों के वाचन, पठन, श्रवण, मंचन से समाज को दिशा निर्देशित कर सकेंगे।
11. साहित्य के विभिन्न पात्रों का अनुगामी बनकर नेतृत्व क्षमता का विकास कर सकेंगे।

## **Graduate Attributes – स्नातकों की विशेषतायें**

1. हिन्दी के अच्छे जानकार बनकर अकादमिक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय दे सकेंगे।
2. भाषा एवं साहित्य के पाठों का विवेचन, विश्लेषण एवं अवलोकन करके नये निष्कर्ष को जन्म दे सकेंगे।
3. तार्किक वाद-विवाद के माध्यम से अपनी कमियों को सुधार सकेंगे।

4. वाद-विवाद एवं तर्क-वितर्क सम्बन्धी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भागीदारी बन सकेंगे।
5. प्रसिद्ध साहित्यिक ग्रन्थों की समीक्षा नये विचार के साथ कर सकेंगे।
6. अपने आलोचनात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से विभिन्न वर्गों के साहित्य में प्रार्थक्य स्पष्ट कर सकेंगे।
7. भाषा के अध्ययन-अध्यापन से दूसरे भाषा साहित्य के प्रसिद्ध ग्रन्थों का अनुवाद कर अनुवादक के रूप में आजीविका अर्जित कर सकेंगे।
8. विभिन्न कालखण्डों या समयान्तरालों में भाषा संबंधी सांस्कृतिक एवं साहित्यिक परिवर्तनों के विषय में अपना विचार व्यक्त कर सकेंगे।
9. किसी भी विषय पर साहित्यिक दृष्टिकोण एवं समाजिक दृष्टिकोण के मध्य आपसी समझ को जन्म दे सकेंगे।
10. अपनी समीक्षात्मक योग्य के बल पर व्यक्ति एवं समाज को संतुलित, नियन्त्रित एवं समन्वित कर सकेंगे।